Abrotnum:-यह सूखा रोग की अच्छी दवा है| पोषण की कमी कारण क्षय होना में लाभदायक है|

2. **Acthea off:-**यह दर्द नाशक,वात पित शामक, अनुलोमक, मार्द्कर, कफ नि:सारक, मूत्रल, शोथहर, मूत्रदाह नाशक, अत्रन्शोध प्रवाहिका, पित्तज, अतिसार में लाभदायक, सिफलिस नाशक, घाव नाशक एवं शोर नाशक है| आमाशय के लिए अहितकर है|

3. **Aconite Napellus**:-इस का पराभव स्पाइनल नर्व पार होती है|

4. **Adiantum Capillus** :-यह कफ नाशक,वक्षरोंग नाशक,कण्ठ तथा स्वास नलिका सम्बधित रोंग की गुणकारी औषधि है|

5. **Aesculus hippocastanum** :-इस का प्रभाव कार्य यकृत, धमनी और शिरा आदि पर है| यह स्त्री रोंग, गलनली प्रदाह की औषधि है|

6.Agaricus Muscarius:-इस दवा की प्रधान क्रिया स्नायु केन्द्र,मस्तिष्क,मेरुदण्ड पर है| शरीर के किसी अंग में लहर के साथ सुरसुरी, खुजली ज्वर, नर्तन, अंग फडकना आदि में लाभकारी है|

7.**Ailanthus glandulo**:-यह डिप्थीरिया(रोहिणी),टांसिलाईटीस, आरक्त ज्वर,त्वचा का बैंगनी रंग काहो जाना, अतिसार,आंव नाडी की कमजोरी आदि में लाभदायकदवा है|

8.**Allium cepa [Red Onion**:-यह वातहर,शोथहर,शुक्रजनन,बजीकरण, कफ निकालनेवाला,रक्त स्तंभक,पाचक,यकृत तथा हृदय उत्तेजक है| इसका प्रभाव नाक, मुह एवं आखों से पानी गिरना,लगातार छिके आना,जुकाम,कुकुर खांसी,सरदर्द,आदी में सफलतापूर्वक है|

9.Allium sativum[Garlic]:-यह वत कफ,नाशक दीपन, पाचक,कण्ठय, कफ दुर्गन्धि हारक, मूत्र एवं शुक्रल,क्रमिनाशक,यकृत उत्तेजक,वेदना स्थापक,कफ निःस्सरक,हृदय उत्तेजक,सेप्टिक नाशक,ऊष्ण वीर्य और पसीना लेन वाली है|

10.**Aloe capensis[Aloe"s**]= यह पाचक,भेदक,यकृत उत्तेजक,क्रमी नाशक, मूत्रल, रक्त शोधक,पोस्टिक है| यह बवासीर, अतिसार में उपयोगी है| मलद्वार,पेंडू और आंत पर भी उपयोगी है| यह त्वचा की औषधि है

11.**Anthemis nobilis[Roman chamomile]:-** यह दम
ा,आंत्रशूल, खांसी,दांत निकलना, अतिसार,मम्प्स आदि में गुणकारी है|

12.Arnica Montana:- यह चोट लगने या गिरने के करण उत्पन्न किसी भी प्रकार की नई पुराने रोगों की औषधि है| यह एक एंटीसेप्टिक भी है|

13.Atropa Belladonna:- यह कनीनिका विस्तारक, श्वास वातहर मूत्र-निस्सारक,शांतिदायक,किन्द्रापक, कांस ज्वर नाशक है| इसकी क्रिया मस्तिष्क, स्नायु, ग्रन्थियो पर होती है|

14.Avena Sativum:- इस दवा की प्रधान क्रिया समस्त स्नायु संस्थान और मस्तिष्क पर होती है| यह स्नायविक सुस्ती, वीर्य प्रमेह,नपुंसकता,आदी में गुणकारी है| बलवर्धक,नशे की आदत छुडाने वाली नींद लाने वाली है|

15.Berberis vulgaris:-इस का विशिष्ट प्रभाव यकृत एंव वृक(किडनी) पर है |पित्तसारक,कफपित्त शामक,शोधक, रक्त शोधक,वेदनास्थापक, विषमज्वर नाशक,कांस प्रदर, भगन्दर, गुर्दे का शूल, वीर्य रज्जू और अंडकोष का स्नायुशूल,गठियावत योनी प्रदाह में लाभकारी दवा है|

16. Betula alba:- चर्म रोग,अर्बुद,श्वेत प्रदर, खुजली आदी में लाभदायक है|

17.Cannabis sativa:- इस का कार्य दर्द नाशक,निंद लानेवाली, दीपक, पाचक,पित्तसारक, शुक्रस्तम्भक, श्वासहर,दमा रोगमें विशेष लाभदायक है|

18.Carduus Benedictus:-इस की प्रधान क्रिया यकृत,शिरा तथा धमनी पर है| शिरा का फूलना,यकृत विक्रति आदी में है|

19.Catrarai Islandica:- यह स्त्रियों की विशेष दवा है|प्रसव के समय और प्रसव के बाद जब तक बच्चा दूध पीता रहे तबतक माँ को कोई न कोई बीमारी लगी रहती है, उसमे यह अधिक लाभदायक दायक है| जरायु के सभी रोग प्रसव दर्द, प्रसव के बाद के रोग,गर्भस्राव आदी में एक उपयोगी दवा है|

20.Cetraria Islandica:- दवा अयह तिसार,ब्रोंकाइटिस,आंव आदी में उपयोगी है|

21.Chamomilla:-इस का प्रधान कार्य ज्ञान तन्तुओ,रीढ़ पर होता है| यह बच्चें,नवयुवक,बूढ़े,स्त्री आदी सभी में उपयोगी है, बच्चो के रोगो की विशेष औषधि है|

22.Cholidonium Majus:- यकृत दोष के कारण उत्पन्न रोग,फेफड़ा और पित्तदोष जनित रोगो की यह अच्छी दवा है|

23.Chenopodium:=यह क्रमी तथा ज्वर नाशक औषधि है | सरदर्द, पक्षघात,हिस्टीरिया,मिरगी,श्वेतप्रदर,तथा वैसे रोग जो क्रमी के करण उत्त्पन्न हुए हों सभी में उपयोगी है |

24.Cochlearia off:-इस का विशिष्ट प्रभाव आमाशय, लार ग्रन्थिय ा,अस्थि पर है| यह जीवनी शक्ति वर्धक, सुजाक में लाभदायक,बालो की खुशकी एव रुषी नाशक औषधि है|

25.Conium Maculatum:-यह केन्सर नाशक मधुमुत्र नाशक,पीलिया,कण्ठमाड,अर्बुद नाशक है, इस का प्रयोग स्मरण शक्ति हीनता,गति शक्ति हीनता, चक्कर आना,पक्षघात,पैरो मेंअकडन,मूत्र रोग,लसिका ग्रन्थियो की सुजन,चोट के करण दर्द,चिडचिड़ापान,स्त्री पुरुष के बुडापे के रोगो में लाभदायक है |

26.Condurango:- पकस्थली की जिन ग्रन्थियो से पाचक रस निकल कर प्रोटीन युक्त खाद्यो को पचाता है,उन सभी ग्रन्थीयो, कैनसर पर इस का प्रभाव है|

27.Cinchona calisaya:- यह टानिक है, ज्वर, मलेरिया,दौरा,क्षय नाशक औषधि है| यकृत,प्लीहा,उत्पादन संस्थान तथा भोजन नली के विक्रति में उपयोगी है|

28.Cinchona succiruba:-यह ज्वर नाशक,दाहनाशक, पसीना लानेवाली,आव, अतिसार,पीलिया,पित्तपथरी में लाभदायक है|

29.Cina:-इस की प्रधान क्रिया आंतो पर होती है तथा क्रमी रोग वाले बच्चो केरोग में आधिक लाभदायक है|

30.Climatis erecta:-इस प्रधान क्रिया चर्म, लसिका ग्रन्थीयो, और मूत्रयंत्र पर है|गर्मी,सोजक और कण्ठमॉला वालो में यह विशेष लाभदायक है| श्वेत प्रदर, आबुर्द,स्तनग्रंथि में भी गुणकारी है |

31.Cimicifuga Recemosa:-इस का प्रयोग स्त्रियों केतमाम रोगो, तथा वात रोगो में होता है|डिम्बकोष में प्रदाह,गर्दन,कंधा मेंदर्द तथा अकडन में लाभदायक है| "White electricity".

32.Dulcamara:- इस का विशेष प्रभाव ग्रंथियों,चर्म एवं पाचन अवयवो पर है| यह कंठमाला ग्रस्त एवं चलने फिरने की शक्ति नहीं होती तथा ऐसे धातु वालों को जो सदा ही उत्तेजित एवं बेचैन रहते है, और वे जो सर्दी सहन नहीं कर सकते उनके लिए लाभकारी दवा है|

33.Dictamnus albus:- यह विषनाशक, महामारी नाशक,मिरगी तथा क्रमी
रोगो में गुणकारी है|

34. Drosera Rotundifoli:-यह खांसी, हुपिंग कफ तथा अन्यान्य श्वास नली के तमाम रोगो में लाभकारी है| स्वर नाली की टी.बी. तथा छाती की टी.बी. में भी गुणकारी है| "Pettorale-3

35.Echinaceaang:-यह रक्त को शुद्ध करनेकी शानदार दवा है| फोड़ा फुंसी,विसर्प,घाव,एपेंडीसाईटीस,प्रसूति संक्रामकता, थकान आदी में लाभदायक है| "canceroso"-11

36.Equisetum Arvense:-इसकी प्रधान क्रिया मूत्राशय पर होती है| यह मूत्र सम्बधि तमाम रोग,श्लेष्मा युक्त मूत्र होना, मूत्रावरोध, मूत्रशीघ्रता आदी में लाभदायक है "canceroso-2

37.Erythrea centaurium:-यह पाचन संस्थान प्रभावी एक ज्वर नाशक औषधि है| "Scrofoloso-10, Linfatico-1"

38.Eucalyptus globulus:-यह गुण में कफ वात शामक,जीवाणुवर्धी रोधक,जीवाणु नाशक, उत्तेजक,मूत्रजनक,श्वेतजनक,ज्वरनाशक, संक्रमणनाशक इस का प्रभाव सभी प्रकार केजुकाम,मलेरिया एवं घाव में सफलतापूर्वक कियाजाता है| "Pettotale-1,2,3,4. and Venereo-1

39.Euphorbium officinalis:-यह कैसंर,गेंगरिन,घाव,मस्सा,विषैले फोड़े, आदी में लाभदायक है| "Vermifugo-1.

40.Euphrasia officinalis:-इस का प्रभाव आखं के समस्त भागो पर एवं तमाम रोगो पर है| "Scrfoloso-12.

41.Euonymous europeaus:-यह एक टानिक है,एस का प्रभाव पिताश्मरी, यकृत रोग, पित्त के विकार, कटीशूल,मूत्र में अल्बूमिन आना एवं आमाशय के विकारो पर है|

42.Fucus vesiculosus:-यह कब्ज, मोटापा,घेंगा की लाभकारी दवा है| "linfatico-1

43.Erum lens:-यह पसीना लानेवाली,घाव,दर्द नाशक औषधि है|
"B.E. And G.E.

44.Centiana Lutea:-यह दीपक,पाचक,पित्त सरक,रक्त शोधक,ज्वर नाशक की दवा है|

45.Galeopsis ochroleuca:-यह दवा कफ नि:सारक एवं छाती के रोगो की विशेष दवा है| "Vermifugo.

- 46.Glechoma ocheracea:-यह मलद्वार से खून गिरन
  - ा,अतिसार,खांसी,कंठनाली में लाभदायक है| "Pettorale-2.

47.Genista Scoparia:-यह दर्द नाशक,उत्तेजक,मूत्रल,हृदय गति को नियमित करनेवाली, कैसंर नाशक एवं घाव भरने वाली औषधि है| "White electricity".

48.Guaiacum off.:-यह पसीना लानेवाली, मूत्रल,उत्तेजक,रक्तरोधक एवं गठियावात आदी रोगो में गुणकारी है| "White electricity".

49.Hamamelis virginiana:-इस दवा की प्रधान की शिराओं पर होती है| शिराओं से रक्तस्त्राव होना एवं शिराओं के विभिन्न रोगो में लाभकारी है| "Green electricity, Angiotico-2, Veneriyo-3,4, Canceroso -7,11.

50.Hydrastis canedensis:-इस औषधि का विशेष प्रभाव श्लेषमिक झिल्ली पर है, इस का प्रभाव कंठ, आमाशय,गर्भाशय,मूत्राशय,दिमाग,यकृत आदी पर है| "Scrofoloso-1,2,3,5,6,8,10,11,12, Angiotico, linfatico-2, Venereo-5, Pattorale-3, Canceroso9,14,16.

51.Humulus lupulus:-यह एक टानिक है,दर्द नाशक,निन्द्राकर शामक,बाजीकर, पसी नालानेवाली है|" linfatico-1.

52.Hyosyamus nigar:-इस प्रधान क्रिया मस्तिष्क,और स्नायु मंडल पर है| "Pattorale-3"

53.Imperatoria Osthrutium:-यह कृमि रोग तथा मलावरोधता में लाभदायक है| "Vermifugo-1"

54.Ipecacuanha:-यह श्वास यंत्र की अच्छी दवा है, मिचली,सर्दी, खांसी,दमा,न्यमोनिया में लाभदायक है|

55.Ledum palustre:-यह गठिया वात की दवा है| शराब के कारण खराब हुआ स्वाथ में लाभदायक है| जहरीले कीड़े दंस में भी उपयोगी है| किडनी की मुख्य दवा है|"Canceroso-6".

56.Lobelia Inflata:-यह आमाशय, फेफड़े,रक्त की नदियों के लिये बलकारक है|प्रजनन एवं वर्धी कार्य को बड़ा ने वाली है|"Scrofoloso-11"

57.Lycopodium Clavatum:-यह मूत्र में पथरी,सोरा नाशक ,यह जीर्ण बीमारीयों में उपयोगी है|" Scrofoloso-2,4, Canceroso-8, Venereo-2.

58.Malva Sylvestris:-यह कफ,फेफड़ो के रोग, गले के रोग नाशक है|

59.Melissa officinalis:-यह आमाशय की दवा है| मिचली नाशक,पाचक दवा है| |" Scrofoloso-11"

60.Mezerium :-यह चर्म रोग, दांत के रोग, घाव, खुजली,नाशक दवा है|

- 61.Millifolium:-यह शरीर के किसी भी भाग से बहते रक्त को रोकने की विशेष दवा है|

- 62.Menyanthes trifoliata:-यह क्रमी,ज्वर,नाशक है,कब्ज नाशक,बवासीर में लाभदायकहै| "linfatico-1. W.E."

63.Myrtus Communus:- यह एक संक्रमक नाशक है| वक्र रोग, फेफडे के रोग तथा उत्तेगक टानिक है| "Venereo-1"

64.Nasturtium officinalis:-यह एक कामोत्तेजक,विष काप्रतिकारक,यकृत के कड़ा होना में लाभदायक है| "Scrofoloso-1,2,3,5,6,10,11,12,"

65.Nux vomica:- यह एक उत्तेगक,पाचक,हृदय बलदायक,एवं स्मरण शक्ति को बढ़ाती है|

66.Oxalis Acetosilla:-यह स्कर्वी नाशक,दर्द नाशक,मस्सा आदी लाभदायक है| "linfatico-2".

67.Phellanddrium aquaticum:-यह दमा,सर्दी,जुकाम,खांसी,न्योनिया,क्षयी आदी की अच्छी दवा है |"Pettorale-1,2,3,4,5,7,8"

68. Phytolacca Decandra:-यह ग्रंथि रोग,वातरोग,हडडी कादर्द, शरीर का वजन कम होना तथा दांत निकलने में तकलीफ होने में उपयोगी है|"Canceroso-5, G.E.

69.Pimpinella Saxifraga:-इस का प्रयोग रक्त, वमन,आंव.मूत्र पथरी को गलाने में किया जाता है| "Canceroso-1,2,3,4,5,6,10,13,15,17"

- 70.Pinus Maritima:-यह संकोच तथ स्त्रावरोधक है|श्लेष्मिक स्त्राव को घटनेवाली औषधि है|"Blue electricity"

71.Pinus nigra:-यह दर्दयुक्त मासिक,कब्ज,वत,छाती रोग नाशक एवं त्वचा की दवा है|"Blue electricity, A.P.P

72.Polygala amara:-यह श्वसन तंत्र की उपयोगी दवा है|"Pettorale-1,2,3,4,."

73.Populus alba:-साइटिका,जलना,घाव एवं दौरा नाशक है | "Green electricity"

74.Populus tremuladin:-यह मुख्य मूत्र यंत्र की विशेष औषधि है| पेशाब में जलन,दर्द,पेशाब का न होना,मूत्र पश आना,प्रोस्टेट ग्रंथि का बड़ना आदी में लाभदायक है| "W.E., Cancereso-17.

75.Petroselinum sativum:-यह मलव्दार से लेकर अंडंकोष से ले कर मूत्र नाली की दवा है| "W.E., Canceroso-2.

76.Podophyllum Peltatum:-यह छोटी,बड़ी आतं के रोगों विशेष दवा है|"Yellow electricity, Canceroso-8,10.

77.Pulsatilla Niga:-इस औषधि की प्रधान क्रिया श्लेष्मिक झिल्ली,स्त्री, पुरुषजननेंद्रियो पर है|

78.Rosa cantna:-यह सरदर्द, आँख,कान,मसूड़े,दातों के दर्द में लाभदायक है|

79.Ruta graveolens:-यह पाचक,वायुनाशक,कृमि नाशक,कब्ज नाशक है| "W.E., Y.E.

80.Rhus aromatica;-यह स्त्री पुरुष,एवं मूत्राशय की प्रमुख दवा है|"canceroso-17, venereo-2.

- 81.Rhus Toxico-denodron:यह मांसपेशि,चर्म,हड्डीकी औषधि है| "canceroso-1,2,3,4,5,6,10,13,15,17.

82.Rheum palmatum:-यह बच्चो रोगो की विशेष औषधि है|"Scerofoloso-3.

83.Rhododendron maximum:-यह सेप्टिकनाशक,संधि रोग,चर्म रोग,घाव एवं स्त्री पुरुष के जननअंगो पर लाभदायक है|" Red electricity"

84.Rosamarinus officinalis:-यह दर्द नाशक, पाचक,पेटदर्द मेंउपयोगी है:-" |" Red electricity"

85.Salix alba:- यह पुरुष जननेंद्रियो पर एवं पाचक,एवं छोटी-बड़ी आंत उपउयोगी है|"Febrifugo group, Scrofoloso-10.

86.Salvia officinali:-यह गले के रोगो,वात, लकवा,स्राव रोधक औषधि है:-" Blue electricity"

87.Saliva sclares:- यह पेट, किडनी,आँख के रोगो के लिये उपउयोगी है|" Blue electricity"

88.Sambucus nigra:- यह सर्दी खांसी, गले का दर्द में उपउयोगी है|
"Febrifugo group, Scrofoloso-10, Y.E., G.E.,

89.Sanguisorba officinalis:-यह रक्त की अधिकता से होनेंवाले रोग जैसे पैर के शिराओ का फूलना,रज:निवृति कल का रक्त स्त्राव आदी में उपयोगी है|"White electricity"

90.Sanguinaria canabensis:-यह हृदय उत्तेगक एवं रक्त, नर्वउत्तेगक औषधि है"Angiotico group, W.E.,

91.Scrophularia nodosa: यह बड़ी ग्रंथियो,चर्म रोग,स्तन रोग,खाज खुजली पर उपयोगी है|"Scrofoloso-1,2,3,5,6,10,11,12, A.P.P.

92.Scolopendrium vulgare:-यह यकृत एवं फेफडो के रोगो पर उपयोगी है|"Febrifugo group"

93.Simaruba Amara:-यह टानिक ज्वर नाशक पाचक है|"Linfatico-1.

94.Smiax medica:-यह त्वचा रोग,कब्ज,मूत्र रोग एवं पाचन क्रिया के लिए उपयोगी है|"Scrofoloso-1,2,3,5,6,10,11,12, A.P.P., Venereo-1

95.Solidago Virgaura:-यह वृक्क की विशेष दवा है, वृक्क से सबन्धी सभी रोगो की औषधि है|" Scrofoloso-6"

96.Spigilia anthelmia:-यह कृमि नाशक दवा है| रक्त की कमी में लाभदायक है|" Vermifugo-2"

97.Symphytum officinali:-यह हड्डी के रोग,चर्म रोगो की उपयोगी औषधि है|"canceroso-4"

98.Sempcrvivum tiet :- यह त्वचा रोगो की विशेष औषधि है|

99.Sticta pulm.यह श्वासन तंत्र सर्दी,खंसी,छींक आन आदी में लाभदायक है|

100.Taxus baccata:-यह पीड़ा नाशक, त्वचा रोग,ज्वर नाशक है|"W.E."

101.Taraxum officinali.यह यकृत को उत्तेजित करने वाली,भूकबदने वाली,पाचक,कृमि नाशक औषधि है|

102.Tantacetum vulg :-यह महिला रोग,सुस्ती भगानेवाली, कृमि नाशक दवा है|"vermifug-2"

103.Teucrium scorodona:-यह पुरानी सर्दी,नाक बंद होना,खांसी की उत्तम औषधि है|" Pettorale-2"

104.Thlaspi bursa:-यह बहते रक्त को रोकने की औषधि है|"

105.Thuja occid:-यह मूत्राशय व जननेन्द्रियो पार इस का प्रभाव है|

106.Tilia europaea:-यह हड्डीयों के रोग आँख के पेशियों की,रक्त स्त्राव आदी में लाभदायक है|

107.Thymus serpyllum:-यह बच्चो की श्वासन की संक्रमकता, दमा, सर्दी, खांसी में लाभदायक है|

108.Tussilago far:-दमा नाशक, वायु रोग नाशक है|

109.Vitis venifera:- यह वात पित्त नाशक,ज्वर नाशक,कामोत्तेजक,बलदायक औषधि है|

- 110.Viscum album:- यह गठिया वात, मृगी,साइटिका आदी रोगो में लाभदायक है|

111.Vinka minor:-यह चर्म रोग,खुजली,घाव,रक्त स्त्राव में लाभदाय है|

- 112.Vinca toxicum:-यह मधुमेह लाभदायकरी है|

113.Viburnum op.:-यह गर्भपात को रोकने वाली ऐठन कम करने वाली और महिला के रोगो की औषधि है|

114.Vironica officinali:-यह छाती के रोग घाव नाशक,पथरी नाशक है|